DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

1 April, 2024

वायकोम सत्याग्रह

संदर्भ: *त्रावणकोर के वायकोम में 30 मार्च, 1924 को एक अहिंसक आंदोलन की शुरुआत हुई थी, जो भारत में मंदिर प्रवेश सम्बन्धी आंदोलनों की शुरुआत थी।*

➢ **20वीं सदी की शुरुआत में त्रावणकोर की पृष्ठभूमि:**

- त्रावणकोर की विशेषता सामंती, सैन्यवादी और रीति-रिवाजों से ग्रस्त शासन प्रणाली थी।
- तत्कालीन समाज जाति-आधारित भेदभाव में गहराई से उलझा हुआ था, निचली जातियों को मंदिरों और उनके आसपास के क्षेत्रों में प्रवेश पर प्रतिबंध था।
- 19वीं सदी के अंत में ईसाई धर्मांतरण और महाराजा अयिलम थिरुनल राम वर्मा द्वारा शुरू किए गए प्रगतिशील सुधारों सहित सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों ने मौजूदा मानदंडों को चुनौती देना शुरू कर दिया।

➢ **शिक्षित अभिजात वर्ग का उद्भव और बढ़ता भेदभाव:**

- 20वीं सदी तक, हिंदुओं, ईसाइयों और विशेष रूप से एझावा जातियों के बीच एक शिक्षित अभिजात वर्ग का उभरना शुरू हो गया।
- शैक्षिक प्रगति के बावजूद, सरकारी नौकरियाँ बड़े पैमाने पर उच्च जातियों के लिए आरक्षित रहीं, जिससे निचली जातियों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में बाधा उत्पन्न हुई।
- साथ ही भेदभावपूर्ण प्रथाएँ जारी रहीं, जैसा कि एज़ावा अलोमूटिल चन्नार जैसे मामलों से पता चलता है, जिसे अपनी शैक्षिक प्रगति के बावजूद अनुष्ठानिक (धार्मिक) भेदभाव का सामना करना पड़ा।

➢ **मंदिर प्रवेश आंदोलन की शुरुआत:**

- एझावा नेता टीके माधवन ने सबसे पहले वर्ष 1917 में मंदिर में प्रवेश का मुद्दा उठाया था।
- गांधी जी के तरीकों से प्रेरित होकर, वर्ष 1920 तक सीधी कार्रवाई की सिफारिश तेज हो गई, जिससे मंदिर में प्रवेश पर जोर दिया गया।

➢ **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की भूमिका और गांधीजी का समर्थन:**

- माधवन ने 1921 में एक जन आंदोलन के लिए गांधीजी का समर्थन प्राप्त कर लिया था।
- केरल प्रांतीय कांग्रेस कमेटी ने 1923 में अस्पृश्यता विरोधी प्रस्ताव पारित कर संगठित प्रतिरोध के लिए एक मंच तैयार किया।
- वायकोम को पहले सत्याग्रह के लिए स्थल के रूप में चुना गया था, जो आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

➢ **वायकोम सत्याग्रह:**

- इस सत्याग्रह की शुरुआत में मंदिर के बजाय निचली जातियों के लिए मंदिर के आसपास की सड़कें खोलने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारियों के कारण मार्च से सितंबर 1924 तक निरंतर सत्याग्रह चला, जिसमें पेरियार और सी राजगोपालाचारी जैसे नेताओं ने प्रति-आंदोलनों का समर्थन किया।
- मार्च 1925 में एक समझौता हुआ, जिससे मंदिर के चारों ओर की चार सड़कों में से तीन को सभी के लिए खोल दिया गया, जो एक महत्वपूर्ण लेकिन आंशिक जीत थी।

➢ **विरासत और परिणाम:**

- 600 से अधिक दिनों तक चले वायकोम सत्याग्रह ने जातिगत आधार पर एकता प्रदर्शित की और भारत में अस्पृश्यता को एक गंभीर राजनीतिक मुद्दे के रूप में उजागर किया।
- विभिन्न समझौते के बावजूद, पेरियार सहित कुछ लोगों ने इस सताग्रह के परिणामों पर निराशा व्यक्त की।
- नवंबर 1936 में ऐतिहासिक मंदिर प्रवेश उद्घोषणा पर हस्ताक्षर ने मंदिरों में प्रवेश पर सदियों पुराने प्रतिबंध को हटा दिया, जो मंदिर प्रवेश आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण जीत थी।
- वायकोमसत्याग्रह ने सामाजिक अन्याय को चुनौती देने में गांधीवादी तरीकों और सविनय अवज्ञा की प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया।

मौद्रिक नीति समिति

संदर्भ: *भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा 5 अप्रैल को रेपो दर 6.5% पर बनाए रखने और मुद्रास्फीति को 4% तक कम करने के अपने उद्देश्य की पुष्टि करने की उम्मीद है।*

- भारतीय रिजर्व बैंक का यह निर्णय अमेरिकी फेडरल रिजर्व की इस साल तीन कटौती की योजना के विपरीत है।
- आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक आगामी 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक मुंबई में संपन्न होगी।
- रेपो दर, जो घरेलू और अन्य ऋणों के मूल्य निर्धारण को प्रभावित करती है, आखिरी बार फरवरी 2023 में बढ़ाई गई थी।
- अर्थशास्त्रियों का सुझाव है कि मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम के कारण मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) पर ब्याज दरों को समायोजित करने का तत्काल दबाव नहीं है।
- वर्तमान मुद्रास्फीति 5% है, और अर्थव्यवस्था की लचीलापन, खाद्य कीमतों के जोखिम की संभावना के साथ मिलकर, मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाती है।
- एमपीसी द्वारा अपने पिछले रुख के अनुरूप, दर में कटौती के लिए कोई समयसीमा प्रदान करने की संभावना नहीं है। अतः कोई भी बदलाव मुद्रास्फीति में निरंतर और महत्वपूर्ण गिरावट पर निर्भर करेगा।

➢ **मौद्रिक नीति समिति:**

- वर्ष 2016 के वित्त अधिनियम ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की स्थापना करते हुए आरबीआई अधिनियम में संशोधन किया।
- केंद्र सरकार संशोधित आरबीआई अधिनियम की धारा 45ZB के तहत छह सदस्यीय एमपीसी बनाती है।
- एमपीसी का मुख्य कार्य एक निर्दिष्ट लक्ष्य सीमा के भीतर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए रेपो दर निर्धारित करना है।
- एमपीसी में छह सदस्य होते हैं, जिनमें आरबीआई गवर्नर, मौद्रिक नीति के लिए डिप्टी गवर्नर, एक आरबीआई बोर्ड नामित और भारत सरकार के तीन सदस्य शामिल हैं।
- बाहरी सदस्यों का कार्यकाल चार वर्ष का होता है।
- एमपीसी की बैठकों के कोरम के लिए चार सदस्यों की आवश्यकता होती है, जिसमें मौद्रिक नीति के लिए गवर्नर या डिप्टी गवर्नर शामिल होते हैं।
- इस समिति के सभी निर्णय बहुमत से किए जाते हैं, बराबरी की स्थिति में आरबीआई गवर्नर वोट देते हैं।
- एमपीसी के निर्णय आरबीआई पर बाध्यकारी हैं।

➢ **मौद्रिक नीति उपकरण:**

- **रेपो दर:** वह (स्थिर) ब्याज दर जिस पर रिजर्व बैंक चलनिधि समायोजन सुविधा (एल ए एफ) के तहत सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों के एवज में बैंकों को अगले दिन तक के लिए चलनिधि प्रदान करता है।
- **रिवर्स रेपो दर:** रिवर्स रेपो दरः वह स्थिर ब्याज दन जिय पर रिजर्व बैंक अगले दिन तक कि लिए सरकारी प्रतिभूतियों के एवज में बैंकों से तरलता को अवशोषित करता है।
- **चलनिधि समायोजन सुविधा (एल एए फ):** इसमें ओवरनाइट और मीयादी रेपो नीलामियां शामिल हैं। इसका उपयोग मुख्य रूप से रेपो और रिवर्स रेपो दरों का उपयोग करके बैंकिंग प्रणाली के भीतर तरलता में अस्थायी और तेज समायोजन करने के लिए किया जाता है।
- **सीमांत स्थायी सुविधा (एम एस एफ):** एक ऐसी सुविधा जिसके अन्तर्गत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक रिजर्व बैंक से अगले दिन तक के लिए अतिरिक्त राशि उधार ले सकते हैं। यह बैंकिंग प्रणाली को अप्रत्याशित चलनिधि झटकों के खिलाफ सुरक्षा वाल्व प्रदान करता है।
- **कॉरिडोर:** एमएसएफ दर और रिवर्स रेपो दर भारित औसत कॉल मनी दर में दैनिक परिवर्तन के लिए कारिडॉर का निर्धारण करते हैं।
- **बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस):** मौद्रिक प्रबंधन के लिए यह उपकरण 2004 में प्रारम्भ किया गया था। बड़े पूंजी प्रवाह से उत्पन्न होने वाली अधिक स्थायी

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

प्रकृति की अधिशेष तरलता को लघु-दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों और ट्रेजरी बिलों की बिक्री के माध्यम से अवशोषित किया जाता है।

- **बैंक दर**: यह वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक विनिमय या अन्य वाणिज्यिक पत्रों के बिलों को खरीदने या फिर से भुनाने के लिए तैयार है। को
- **नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर):** औसत दैनिक शेष जो बैंक को अपनी शुद्ध मांग और सावधि देनदारियों (एनडीटीएल) के ऐसे प्रतिशत के हिस्से के रूप में रिजर्व बैंक के पास बनाए रखने की आवश्यकता होती है। रिजर्व बैंक समय से सीआरआर को अधिसूचित कर सकता है। भारत के राजपत्र में समय के लिए।
- **सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) :** यह एन डी टी एल का वह भाग है जिसे बैंक को सुरक्षित और तरल संपत्ति, जैसे सरकारी प्रतिभूतियों, नकदी और सोने में बनाए रखने की आवश्यकता होती है। एसएलआर में परिवर्तन अक्सर निजी क्षेत्र को उधार देने के लिए बैंकिंग प्रणाली में संसाधनों की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं।
- **ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ):** इसमें आवश्यक तरलता को बढ़ाने अथवा/और के लिए क्रमशः सरकारी प्रतिभूतियों की एकमुश्त खरीद और बिक्री दोनों सम्मिलित हैं।

आभासी संपत्ति और आभासी संपत्ति सेवा प्रदाता (वीएएसपी)

***संदर्भ**: एफएटीएफ ने पाया कि कई देशों ने आभासी संपत्तियों और वीएएसपी के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यकताओं को पूरी तरह से लागू नहीं किया है।*

आभासी संपत्ति की परिभाषा: आभासी संपत्ति, जिसे क्रिप्टो संपत्ति के रूप में भी जाना जाता है, नगद मूल्य का डिजिटल प्रतिनिधित्व है जिसका व्यापार, हस्तांतरण या भुगतान के लिए उपयोग किया जा सकता है।

➢ **संभावित लाभ और खतरे:**

- लाभों में आसान, तेज और सस्ता भुगतान शामिल है, साथ ही उन लोगों के लिए विकल्प प्रदान करना जिनके पास पारंपरिक वित्तीय उत्पादों तक पहुंच नहीं है।
- हालाँकि, आभासी संपत्तियाँ काफी हद तक अनियमित हैं और बेकार हो सकती हैं, साइबर हमलों और घोटालों के प्रति संवेदनशील हो सकती हैं।

➢ **नियामक चुनौतियाँ:**

- विनियमन की कमी जोखिम पैदा करती है, संभावित रूप से आपराधिक और आतंकवादी वित्तीय लेनदेन के लिए आश्रय स्थल के रूप में काम करती है।
- एफएटीएफ ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण के लिए आभासी संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए वैश्विक मानक जारी किए हैं।

➢ **वैश्विक विनियामक अंतराल:**

- कुछ देश इस क्षेत्र को विनियमित करते हैं, जबकि अन्य आभासी संपत्तियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाते हैं।
- अधिकांश देशों ने अभी भी प्रभावी नियमों को लागू नहीं किया है, जिससे अपराधियों, आतंकवादियों और दुष्ट शासनों द्वारा शोषण योग्य खामियां रह गई हैं।

➢ **वीएएसपी की उपयोगिता:**

- वीएएसपी मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए अपराधियों और आतंकवादियों द्वारा शोषण के प्रति संवेदनशील हैं।
- एफएटीएफ का जोखिम-आधारित दृष्टिकोण मार्गदर्शन वीएएसपी की भूमिका और क्रिप्टोकरेंसी व्यवसायों पर उनके प्रभाव को समझने में मदद करता है।

➢ **एफएटीएफ दिशानिर्देशों का विकास:**

- वर्ष 2019 में, एफएटीएफ ने "वर्चुअल एसेट्स और वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए जोखिम-आधारित दृष्टिकोण के लिए मार्गदर्शन" पेश किया।
- एफएटीएफ समय-समय पर अपने मानकों के अनुपालन की समीक्षा करता है, डेफी, एनएफटी, पी2पी लेनदेन और स्टेबलकॉइन जैसे उभरते बाजार परिवर्तनों को अपनाता है।
- एफएटीएफ और वीएएसपी की भूमिका:
- गुमनामी-संवर्धित क्रिप्टोकरेंसी और विकेंद्रीकृत एक्सचेंज जैसी आभासी संपत्ति सेवाएं कम पारदर्शिता और बढ़ते वित्तीय प्रवाह अस्पष्टता का जोखिम उत्पन्न करती हैं।
- एफएटीएफ संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने और रिपोर्ट करने के लिए वीएएसपी, वित्तीय संस्थानों और नामित गैर-वित्तीय व्यवसायों के लिए सार्वभौमिक एएमएल अनुपालन मार्गदर्शन प्रदान करता है।

➢ **वीएएसपी की परिभाषा:**

- वीएएसपी में आभासी संपत्ति जारी करना या दूसरों की ओर से विशिष्ट गतिविधियों का संचालन करना शामिल है।
- सेवाओं में आभासी संपत्तियों को परिवर्तित करना, स्थानांतरित करना, आदान-प्रदान करना, आभासी संपत्ति की बिक्री से संबंधित वित्तीय सेवाओं की सुरक्षा, प्रबंधन या सुविधा प्रदान करना शामिल है।

➢ **वीएएसपी श्रेणी से बहिष्करण:**

- बाह्य ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से सदस्यता जैसी विशिष्ट स्थितियों के तहत नई आभासी संपत्ति और निवेश फंड बनाने वाले सॉफ़्टवेयर प्रकाशकों को शामिल नहीं किया गया है।
- उपभोक्ता, पी2पी लेनदेन और व्यक्तिगत खनिक (व्यक्तिगत उपयोग के लिए) एफएटीएफ की वीएएसपी परिभाषा को पूरा नहीं करते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)

हाल ही में, भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) ने एक राष्ट्रीय डेटाबेस परियोजना के लिए केरल के वन विभाग को फॉरेंसिक किट प्रदान करते हुए, इडुक्की के 400 बंदी हाथियों के लिए आनुवंशिक प्रोफाइलिंग शुरू की।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के बारे में:

- भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संस्थान है, जो वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और सलाहकार सेवाएं प्रदान करता है।
- इसकी स्थापना 1982 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक संस्थान के रूप में देहरादून, उत्तराखंड में हुई थी।
- संस्थान का लक्ष्य वैज्ञानिक ज्ञान का निर्माण करना, कर्मियों को प्रशिक्षित करना, अनुसंधान करना, सलाह प्रदान करना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करना और वन्यजीव संरक्षण के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र बनना है।
- यह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संस्थान है जो पूरे देश में जैव विविधता से संबंधित मुद्दों पर सक्रिय रूप से अनुसंधान में संलग्न है।
- संस्थान का मिशन वन्यजीव विज्ञान के विकास को पोषित करना और हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक परिवेश के अनुरूप संरक्षण में इसके अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

1 April, 2024

भौगोलिक संकेतक

हाल ही में, बनारस ठंडाई सहित पूरे भारत के 60 से अधिक उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया है।

उत्पादों के बारे में :

- **असम** के छह पारंपरिक शिल्पों, जिनमें बिहू ढोल, असमिया टेराकोटा शिल्प, जापी (बांस से बनी टोपी) और मिथुन हथकरघा उत्पाद शामिल हैं, को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिला है।
- असम के तेरह अन्य उत्पादों को भी GI टैग मिला है, जैसे बोरो डो खोना और बोरो एरी रेशम आदि।
- प्रसिद्ध बनारसी ठंडाई, जो मेवा, बीजों और मसालों के साथ दूध मिलाकर बनाया जाने वाला एक पारंपरिक पेय है, को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्राप्त हुआ है। यह त्योहारों के दौरान देवता को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद के रूप में इसके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है।
- बनारसी ठंडाई के साथ-साथ अन्य उत्पादों जैसे बनारसी तबला और बनारसी शहनाई को भी भौगोलिक संकेतक (GI) टैग से सम्मानित किया गया है।
- **त्रिपुरा** की पोशाक - पछरा-रिग्नाई और मिठाई - माताबारी पेड़ा, साथ ही **मेघालय** की गारो कपड़ा बुनाई और लिर्नई मिट्टी के बर्तन को भी GI टैग मिला है।

भौगोलिक संकेतक (GI) टैग:

- भौगोलिक संकेतक (GI) टैग दर्शाता है कि किसी उत्पाद के विशिष्ट गुण या ख्याति किसी विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति से जुड़े होते हैं।
- भौगोलिक संकेतक (GI) टैग का उपयोग कृषि उत्पादों, खाद्य पदार्थों, मादक पेय पदार्थों, हस्तशिल्प और औद्योगिक उत्पादों के लिए किया जाता है।
- भारत का भौगोलिक पंजीकरण और संरक्षण अधिनियम, 1999 (Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999) भौगोलिक संकेतक (GI) के पंजीकरण और संरक्षण को नियंत्रित करता है।

मछली ओटोलिथ्स

हाल ही में, स्वयं सहायता समूह सी जेम्स महिला सहरुदम समूह की मछुआरों ने तिरुवनंतपुरम के कोवलम में केरल कला और शिल्प ग्राम शोरूम में अपने तैयार किए गए ओटोलिथ्स आभूषणों का प्रदर्शन किया।

मछली ओटोलिथ्स के बारे में:

- मछली ओटोलिथ्स हड्डी वाली मछली के सिर में स्थित कैल्शियम कार्बोनेट संरचनाएं हैं।
- ओटोलिथ्स मछली में पाए जाने वाले बायोमिनरलाइज्ड कान के पत्थर हैं, जो सुनने और संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- वे ध्वनि कंपन का पता लगाने में सहायता करते हैं और मछली को पानी में खुद को उन्मुख करने में मदद करते हैं।
- ओटोलिथ्स में प्रजाति-विशिष्ट आकार होते हैं और मछली के पूरे जीवन में बढ़ते रहते हैं, जिससे वे मछली की पहचान और उम्र निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं।
- उन्हें ऐतिहासिक रूप से "भाग्यशाली पत्थर" के रूप में जाना जाता था और उनका उपयोग रोमन और मिस्र जैसी सभ्यताओं द्वारा किया जाता था और अभी भी ब्राजील जैसे देशों सहित विभिन्न संस्कृतियों में उपयोग किया जाता है।
- यह पहली बार है कि भारत में ओटोलिथ्स से बने आभूषण संगठित तरीके से बनाए और बेचे जा रहे हैं।
- विझिंजम में 'सी जेम्स' नामक मछली के ओटोलिथ्स से बने आभूषण पेश करने वाली मछुआरे महिलाओं के एक समूह को केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) के वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है।

हाइपोक्सिक पॉकेट्स

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने बायोलुमिनसेंट ऑक्सीजन संकेतक का उपयोग करके चूहे के मस्तिष्क में "हाइपोक्सिक पॉकेट्स" की एक सहज, स्थानिक रूप से परिभाषित घटना की खोज की है।

हाइपोक्सिक पॉकेट्स के बारे में:

- हाइपोक्सिक पॉकेट्स हाइपोक्सिया की क्षणिक और स्थानिक रूप से प्रतिबंधित अवधि हैं जो मस्तिष्क में अनायास घटित होती हैं।
- वे मस्तिष्क में रक्त केशिकाओं के स्थानीय अवरोध के कारण होते हैं, जो मस्तिष्क के रक्त प्रवाह को बाधित करते हैं और अवरोध के आसपास के ऊतकों में हाइपोक्सिया का कारण बनते हैं।
- शोधकर्ताओं ने pO2 (ऑक्सीजन का आंशिक दबाव) परिवर्तनों को ट्रैक करने के लिए माउस कॉर्टिकल एस्ट्रोसाइट्स में ग्रीन नैनोल्यूक नामक आनुवंशिक रूप से एन्कोडेड बायोल्यूमिनसेंट ऑक्सीजन संकेतक का उपयोग किया।
- आराम की स्थिति में, पीओ2 अक्सर बदलता रहता है और इसमें हाइपोक्सिया की क्षणिक लेकिन स्पष्ट रूप से परिभाषित घटनाएं शामिल होती हैं जो कई सेकंड से लेकर मिनटों तक चलती हैं और स्थानिक रूप से सीमित होती हैं।

आंत माइक्रोबायोम

हाल ही में, चूहों पर प्रयोग और 118 व्यक्तियों के नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि आंत माइक्रोबायोम का एक सदस्य प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने वाले एंटीजन को लीक करके ऑटोइम्यून किडनी रोग में योगदान दे सकता है।

आंत माइक्रोबायोम के बारे में:

- आंत माइक्रोबायोम मानव पाचन तंत्र में रहने वाले बैक्टीरिया, कवक, वायरस और परजीवी सहित सूक्ष्मजीवों के संग्रह को संदर्भित करता है।
- यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए अद्वितीय है और पाचन, चयापचय और प्रतिरक्षा प्रणाली विनियमन जैसे विभिन्न शारीरिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- आंत माइक्रोबायोम प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करता है, भोजन में विषाक्त पदार्थों को तोड़ता है, विटामिन और अमीनो एसिड का उत्पादन करता है, कार्बोहाइड्रेट का चयापचय करता है और शॉर्ट-चेन फैटी एसिड को संश्लेषित करता है।
- यह छोटी और बड़ी आंतों में सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में होता है, जो मेजबान कोशिकाओं से 10 गुना अधिक होता है।
- कुछ सामान्य आंत माइक्रोबायोटा प्रजातियों में ई. कोली, हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और लैक्टोबैसिलस एसिडोफिलस शामिल हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

ऑस्ट्रिया

हाल ही में, 142 यात्रियों को ले जा रहा एक बल्गेरियाई नदी क्रूज जहाज, जो ज्यादातर जर्मनी से थे, ऑस्ट्रिया में डेन्यूब पर एक लॉक के किनारों से टकरा गया। जहाज में स्टीयरिंग खराबी आ गई थी।

ऑस्ट्रिया (राजधानी: वियना)

अवस्थिति : ऑस्ट्रिया मध्य यूरोप में स्थित एक भूमि से घिरा देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: ऑस्ट्रिया की सीमाएँ हंगरी (पूर्व), स्विट्जरलैंड और लिकटेंस्टीन (पश्चिम), चेक गणराज्य (उत्तर), स्लोवाकिया (उत्तर पूर्व), जर्मनी (उत्तर पश्चिम) और स्लोवेनिया और इटली (दक्षिण) के साथ साझा होती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- ऑस्ट्रिया का उच्चतम बिंदु ग्रॉसग्लॉकनर है, जो ऑस्ट्रियाई आल्प्स में होहे ताउर्न पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है।
- डेन्यूब नदी, यूरोप की प्रमुख नदियों में से एक, ऑस्ट्रिया के उत्तरी भाग से होकर बहती है।
- ऑस्ट्रिया की जलवायु समशीतोष्ण महाद्वीपीय है।
- ऑस्ट्रिया के खनिज संसाधनों में लौह अयस्क, चूना पत्थर, टंगस्टन, मैग्नेसाइट, नमक, तांबा, जिप्सम और ग्रेफाइट शामिल हैं, जो देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में योगदान करते हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में विश्व का पहला परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया? – **ब्रुसेल्स**
- पापिकोंडा पहाड़ी श्रृंखला में, गोदावरी क्षेत्र में निवास करने वाली और बहुमूल्य स्वदेशी ज्ञान रखने वाली जनजाति, जिसे विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, कौन सी है? – **कोंडा रेड्डी जनजाति**
- किस देश की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जिसे ओणिक्स नाम दिया गया है, को एक नए लक्ष्य साधक के साथ उसकी क्षमता बढ़ाने की संभावना है, इसका प्रायः यूक्रेनी सैन्य क्षेत्रों पर हमला करने के लिए उपयोग किया जाता है? – **रूस**
- हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान दिवस समारोह के दौरान कौन- सी ऐप को लॉन्च किया गया? – **इन्द्र/INDRA (मौसम विश्लेषण के लिए भारतीय नौसेना गतिशील संसाधन)**
- हाल ही में,भारत में किस महत्वपूर्ण विद्रोह की शताब्दी मनाई गई जिसे व्यापक समर्थन और स्वीकृति मिली? – **वैकोम सत्याग्रह (प्रथम जाति-विरोधी आंदोलन)**